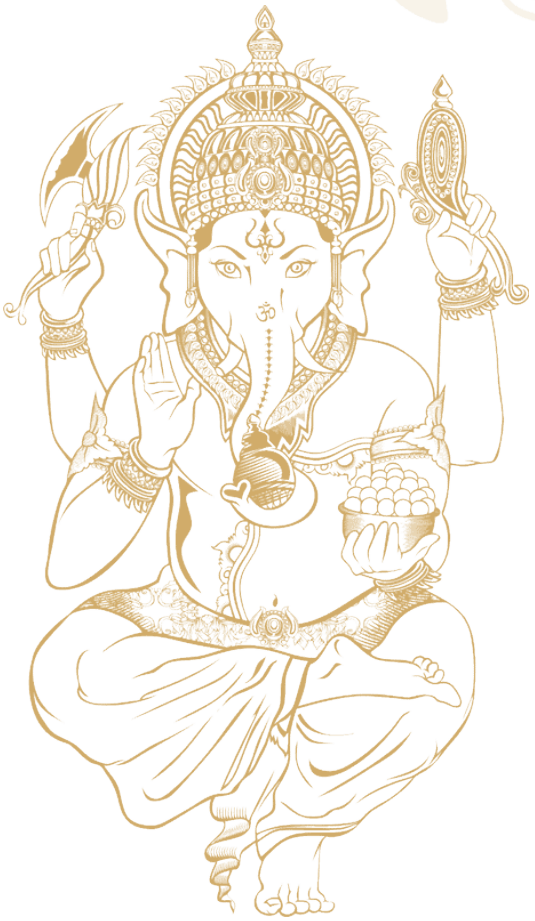

Ms.

13 Jun 2001

03:10 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120998603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12-13/06/2001**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:10:00 घंटे**
इष्ट	54:27:56 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:48:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	20:13:59 घंटे
सूर्योदय	05:22:49 घंटे
सूर्यास्त	19:19:11 घंटे
दिनमान	13:56:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	28:05:25 वृष
लग्न के अंश	21:20:06 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:20:06	438:57:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	28:05:25	00:57:20	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	14:25:20	11:53:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	29:09:37	00:19:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	03:35:42	00:30:43	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु		अ	वृष	29:16:01	00:13:51	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	12:23:13	00:59:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि		अ	वृष	12:51:03	00:07:36	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:33:46	00:00:58	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु			धनु	12:33:46	00:00:58	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:53:02	00:00:41	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:37:28	00:00:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:49:25	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मक	07:23:10	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:21

लग्न-चलित

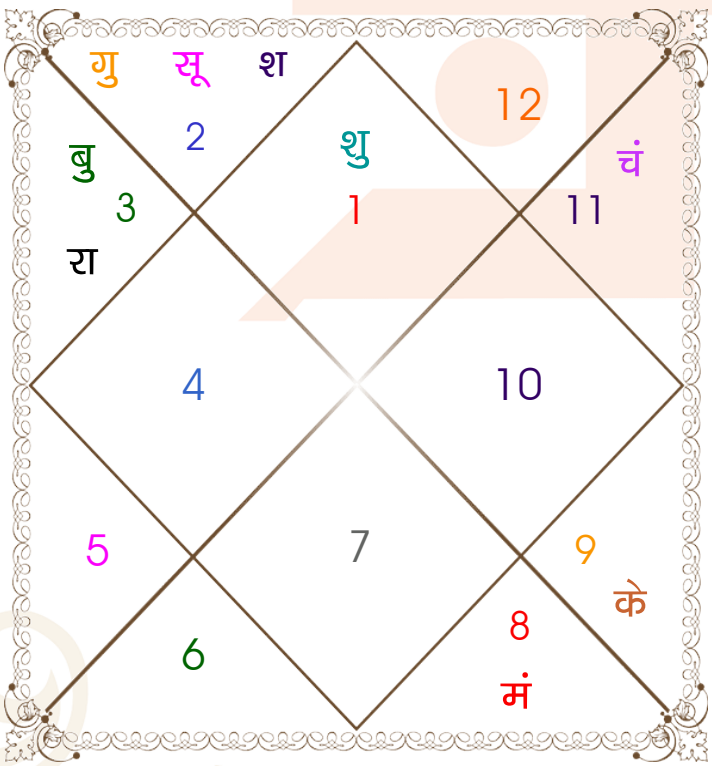

चन्द्र कुंडली

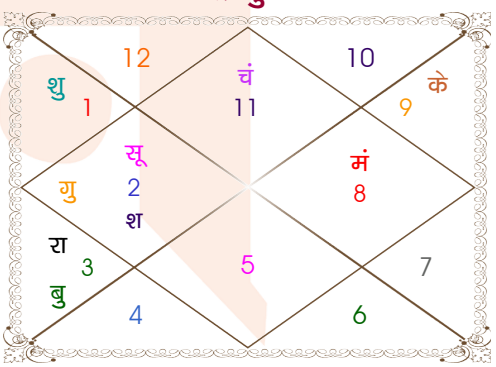

नवमांश कुंडली

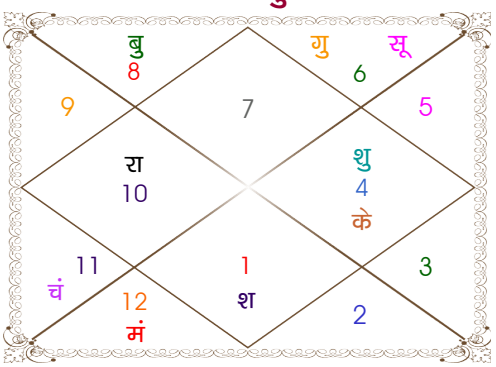

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 6 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/06/2001		23/12/2008		23/12/2024		24/12/2043		23/12/2060	
23/12/2008		23/12/2024		24/12/2043		23/12/2060		24/12/2067	
	00/00/0000	गुरु	10/02/2011	शनि	27/12/2027	बुध	21/05/2046	केतु	21/05/2061
	00/00/0000	शनि	23/08/2013	बुध	05/09/2030	केतु	19/05/2047	शुक्र	21/07/2062
	13/06/2001	बुध	29/11/2015	केतु	15/10/2031	शुक्र	18/03/2050	सूर्य	26/11/2062
बुध	24/06/2001	केतु	04/11/2016	शुक्र	14/12/2034	सूर्य	23/01/2051	चंद्र	27/06/2063
केतु	12/07/2002	शुक्र	06/07/2019	सूर्य	26/11/2035	चंद्र	23/06/2052	मंगल	23/11/2063
शुक्र	12/07/2005	सूर्य	23/04/2020	चंद्र	27/06/2037	मंगल	20/06/2053	राहु	11/12/2064
सूर्य	06/06/2006	चंद्र	23/08/2021	मंगल	05/08/2038	राहु	08/01/2056	गुरु	17/11/2065
चंद्र	05/12/2007	मंगल	30/07/2022	राहु	11/06/2041	गुरु	15/04/2058	शनि	26/12/2066
मंगल	23/12/2008	राहु	23/12/2024	गुरु	24/12/2043	शनि	23/12/2060	बुध	24/12/2067

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/12/2067		24/12/2087		23/12/2093		25/12/2103		24/12/2110	
24/12/2087		23/12/2093		25/12/2103		24/12/2110		00/00/0000	
शुक्र	24/04/2071	सूर्य	11/04/2088	चंद्र	24/10/2094	मंगल	22/05/2104	राहु	06/09/2113
सूर्य	23/04/2072	चंद्र	11/10/2088	मंगल	25/05/2095	राहु	09/06/2105	गुरु	30/01/2116
चंद्र	23/12/2073	मंगल	16/02/2089	राहु	22/11/2096	गुरु	16/05/2106	शनि	06/12/2118
मंगल	22/02/2075	राहु	10/01/2090	गुरु	24/03/2098	शनि	25/06/2107	बुध	14/06/2121
राहु	22/02/2078	गुरु	30/10/2090	शनि	24/10/2099	बुध	21/06/2108		00/00/0000
गुरु	23/10/2080	शनि	12/10/2091	बुध	25/03/2101	केतु	17/11/2108		00/00/0000
शनि	24/12/2083	बुध	17/08/2092	केतु	24/10/2101	शुक्र	18/01/2110		00/00/0000
बुध	24/10/2086	केतु	23/12/2092	शुक्र	25/06/2103	सूर्य	25/05/2110		00/00/0000
केतु	24/12/2087	शुक्र	23/12/2093	सूर्य	25/12/2103	चंद्र	24/12/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 6 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।